Title Code : RAJBIL01655
Issue 6, Volume 4
February, 2018

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

Jayoti Muhim

Estd. in 2008
''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ''

Upcoming Days in February

4 Feb. World Cancer Day
6 Feb. International Day of Zero Tolerance to Female Genital Mutilation
11 Feb. World Day of Sick
13. Feb. World Radio Day
20 Feb. World Day of Social Science
21 Feb. International Mother Language Day
24 Feb. World Sustainable Energy Day
27 Feb. World NGO Day
28 Feb. National Science Day/Week

प्रधान कार्यालय :
ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय
वेदान्त ज्ञान वैली, ग्राम-झरना,
महलां जोबनेर लिंक रोड़
जयपुर - अजमेर एक्सप्रेस वे जयपुर-303122
E-mail : jpd@jvwu.ac.in

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर की जर्नलिज्म डिपार्टमेंट की छात्राओं ने जीता पांचवी कम्युनिटी रेडियो वीडियो चैलेंज 2018 में पचास हजार का प्रथम पुरस्कार

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर के जर्नलिज्म डिपार्टमेंट की छठी सेमेस्टर की छात्रा जेवीएन समीक्षा जैन और उनकी टीम द्वारा घरेलू हिंसा पर बनाई गई शार्ट फिल्म ''छू ले जिन्दगी'' ने सेमका-कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेन्टर फॉर एशिया (CEMCA) और यूनाईटेड नेशन्स एजुकेशनल साइंटिफिक एंड कल्चरल आर्गेनाइजेशन (यूनेस्को) की संयुक्त पहल द्वारा आयोजित पांचवी कम्युनिटी रेडियो वीडियो चैलेज 2018 में जीता प्रथम पुरस्कार।

इस शार्ट फिल्म को बनाने में पहले वर्ष की बी.जे.एम.जे. की छात्रा जेवीएन निकिता सिंघ, आर्या चतुर्वेदी, छठे सेमेस्टर की छात्रा और शार्ट फिल्म की मुख्य अभिनेत्री जेवीएन रोमिका शर्मा एवं द्वितीय सेमेस्टर की छात्राएं जेवीएन राशि शर्मा, नाजिया अहमद, दिव्या तोमर, सुतापा मैती, लावण्या, प्रिया शर्मा, नाजिया अहमद का योगदान रहा।

इस प्रतियोगिता का मकसद युवाओं के बीच भारत सरकार के तत्वावधान चलाये जा रहे सामुदायिक रेडियो को लोकप्रिय बनाना और साथ ही साथ स्थानीय समुदायों के बीच सामुदायिक रेडियो स्टेशन के महत्व और ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं पर आत्म अभिव्यक्ति, अधिगम और सामाजिक विकास के मुद्दों पर सोच को संगठित करना है। प्रतियोगिता के लिए देश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में सामुदायिक रेडियो और उसके द्वारा महिला सशक्तिकरण के प्रभाव पर 3 से 5 मिनट की शार्ट फिल्म की प्रविष्टियां मांगी गई। प्रतियोगिता का उप विषय घरेलू हिंसा, महिला उद्यमी, महिला और मीडिया तकनीक, महिला नेतृत्व द्वारा स्थापित स्वास्थ्य, पौष्टिकता और वैल बीइंग थे। प्रतियोगिता के विजेता का चुनाव विषय सम्बन्धित उसके समग्र प्रभाव, वास्तविकता, रचनात्मकता, प्रासंगिकता, संदेश की स्पष्टता, तकनीकी निपुणता और गुणवत्ता रही।

विजेता को 22 फरवरी के दिन यूनेस्को हाउस, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एक भव्य समारोह में शार्ट फिल्म के प्रदर्शन के बाद प्रशस्ति पत्र और पचास हजार की इनामी राशि से सम्मानित किया जाएगा।

जेवीएन दिव्या तोमर
B.A. (Journalism) II Sem.
P.C. : JV'n Arya Chaturvedi, 1 Yr. BJMJ

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय की बी.एम.एल.टी और डी.एम.एल.टी. की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय की बी.एम.एल.टी. और डी.एम.एल.टी की छात्राओं ने 16 फरवरी, 2018 को प्रताप नगर में नारायण मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में शैक्षणिक भ्रमण किया।

हॉस्पिटल के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राओं ने होमोपैथी लैब, हिस्टोलॉजी और साइटोलॉजी लैब, बायो केमेस्ट्री लैब, सेरोलॉजी लैब, बायोकेमेस्ट्री लैब, सेरोलॉजी लैब और कलेक्शन रूप से जानकारी प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण में छात्राओं के साथ जेवीएन सविता आर्या और शिवि सक्सैना भी उपस्थित रही। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान श्रीमती कुसुम चौहान, जितेन्द्र, शंभूदयाल योगी ने छात्राओं को उनके विषय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस शैक्षणिक भ्रमण में छात्राओं को नई तकनीकी के बारे में जागरूक भी किया गया।

PRAGYA SINONIYA
B.A. (Journalism) IV Semester

Title Code : RAJBIL01655
Issue 6, Volume 4
February, 2018

ब्रिटेन की वीमेन डेलीगेशन ने किया ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय का दौरान

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के अंतर्गत, ब्रिटेन की दो सदस्यीय महिलाओं ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन जेवीएन विदुषी गर्ग जी ने ब्रिटेन से आई दोनों महिलाओं का स्वागत भारतीय रीतियों के साथ विधिवत तरीके से किया।

विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन जेवीएन विदुषी गर्ग जी ने कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों का स्वागत गुलदस्ते और ताम्रपत्र देकर किया गया। ब्रिटेन से आई दोनों महिलाओं का मकसद, विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के अंतर्गत चलाये जा रहे पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी प्राप्त करना था और साथ ही साथ छात्राओं को लंदन में चलाये जा रहे उच्च लॉ पाठ्यक्रमों के बारे में अपने अनुभवों को साझा करना था। मिसेज ग्रैनिया हेग ने अपनी एलएलबी की शिक्षा विश्व विख्यात लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स एंड पोलिटिकल साइंस से की, उन्होंने अपना एलएलएम, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज से 2002 में किया और आज एक सफल महिला इंटरप्रेन्योर है। उनके साथ उनकी सहभागी मिसेज मिशेल जो एक सफल महिला इंटरप्रेन्योर हैं, ने भी अपने अनुभव छात्राओं के साथ साझा किये।

विदेश से आई दोनों महिला सदस्यों ने विश्वविद्यालय में चलाये जा रहे अन्य पाठ्यक्रमों की जानकारी ली, उन्होंने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को विदेश में चलाये जा रहे पाठ्यक्रमों के समकक्ष रखा। उन्होंने फैकल्टी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के मूट कोर्ट को देख कर कहा कि ब्रिटेन के लॉ स्कूल एवं कॉलेजों में भी ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय जैसे मूट कोर्ट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। दोनों ही महिला सदस्यों ने मूट कोर्ट का लॉ कॉलेज में होना बेहद जरूरी बताया ताकि विधि का छात्र अपने केसे को बेहतर रूप से न्यायाधीशो के सामने रख सकें।

इसके उपरान्त दोनों महिला सदस्यों ने विश्वविद्यालय कैंपस का भ्रमण करते हुए फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च मेथोडोलॉजी द्वारा प्रो. रेखा गोविल ऑडिटोरियम में चलाये जा रहे एक विशेष कार्यक्रम को देखा। ये कार्यक्रम बी.एड. की छात्राओं द्वारा ''इंटर्नशिप 2018'' का हिस्सा था, कार्यक्रम में छात्राओं ने भारतीय संस्कृति की एक झलक को पेश करते हुए पंजाब और राजस्थान के लोक नृत्य को पेश किया और साथ ही साथ कृष्ण रास लीला को भी दर्शाया गया जिसे आये हुए मेहमानों ने खूब सराहा।

अपने विश्वविद्यालय के भ्रमण के अनुभवों को लाभकारी बताते हुए उन्होंने भविष्य में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम जैसे अन्य कई कार्यक्रमों में जॉइन्ट वेंचर करने की अपनी रूचि दिखाई। विश्वविद्यालय के उनके भ्रमण के दौरान माननीया चेयरपर्सन जेवीएन विदुषी गर्ग जी के अलावा वाईस चांसलर जेवीएन रूही दहिया और कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन जेवीएन मेघना सिंघल और फैकल्टी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के डीन डॉ. आर.के. पाटनी और विभागाध्यक्ष बीना दिवान रही।

JV'n RAASHI SHARMA, JV'n LAVANYA
(B.A.-Journalism) II Sem.

एग्रीकल्चर की छात्राओं ने किया बगरू स्थित मिनी इजराइल फार्म हाउस का शैक्षणिक भ्रमण

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर की दूसरे वर्ष की 46 छात्राओं ने बगरू स्थित एक हायटैक फार्म हाउस जिसे लोग मिनी इजराइल के नाम से भी जानते है, का शैक्षणिक भ्रमण किया। ये फार्म हाउस श्री खेमाराम चौधरी जी का हैं, जिन्होंने संरक्षित खेती कर अपने और आस-पास के फार्म हाउस की काया ही पलट दी। वे राजस्थान सरकार द्वारा संरक्षित खेती के लिए पुरस्कार भी प्राप्त कर चुके हैं। 24000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में खेमाराम जी ने वाटर हार्वेस्टिंग, सोलर पैनल से ऊर्जा, ड्रिप इरीगेशन से सिंचाई की तकनीक को अपनाया है।

विश्वविद्यालय की छात्राओं ने फार्म हाउस का भ्रमण कर खेमाराम चौधरी से मुलाकात की और उनसे कृषि के क्षेत्र में अपनाई जा रही नवीन तकनीकों के बारे में जाना। छात्राओं ने खीरे और खरबूजे की खेती को भी देखा जो ग्रीन हाउस के अलावा लो टनल और ओपन फॉर्मिंग की पद्धति द्वारा की जा रही थी।

छात्राओं के सवालों का जवाब देते हुए खेमाराम जी ने बताया कि ग्रेजुएशन की डिग्री के पूरा होने के बाद कृषि को छात्र अगर उद्यमिता की दृष्टि से देखें तो ये देश में कृषि को और बढ़ावा देगी। छात्राओं के एक और सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने अपने साथी कृषकों को ये सलाह दी कि पारम्परिक खेती के तरीकों के बजाए अगर कृषक नयी तकनीकों और नए नए उत्पादों जैसे मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, वर्मीकल्चर, एरोमेटिक प्लांट्स आदि पर ध्यान दे तो वो एक अच्छी कमाई कर सकते हैं। एग्रीकल्चर की उत्साहित छात्राओं ने भी अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम के खत्म होने के बाद अपने फॉर्म हाउस में नए नए तरीकों से कृषि और अपने आखिरी साल में खेमाराम जी के फार्म हाउस में प्रेक्टिकल ट्रेनिंग करने की मंशा जाहिर की। छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण को लाभकारी बताते हुए ऐसे अन्य और शैक्षणिक भ्रमण की जिज्ञासा जाहिर की। फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर की तरफ से विश्वविद्यालय की वाईस चांसलर जेवीएन डॉ. प्रोफेसर रूही दहिया, फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर विभाग के डीन जेवीएन डॉ. प्रोफेसर बंसीधर यादव और जेवीएन सुभाष मिश्रा, प्लांट बिल्डिंग और जेनेटिक्स के अध्यापक ने छात्राओं के साथ रह कर उनका मार्गदर्शन किया।

JV'n KRATI JAIN (B.A.-Journalism) IV Sem.

Title Code : RAJBIL01655
Issue 6, Volume 4
February, 2018

साक्षात्कार

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर के डिपार्टमेंट ऑफ लॉ (LAW) में सामाजिक न्याय विषय पर विभाग की विभागाध्यक्ष जेवीएन बीना दिवान ने अपने विचार पत्रकारिता विभाग की छात्राओं के साथ सांझा किये।

आईये जानते है इस साक्षात्कार के कुछ प्रमुख अंश : –

प्र.1 मैम हम आपसे यह जानना चाहते है कि आप इस पद पर कब से कार्यरत है ?

उ.1 मैंने यह पद 24 अगस्त, 2011 को संभाला है।

प्र.2 आपने अपनी शिक्षा किस विश्वविद्यालय से प्राप्त की है ?

उ.2 मैंने अपनी सम्पूर्ण शिक्षा राजस्थान विश्वविद्यालय से की है, मैंने वनस्पति विभाग से M.Sc. किया है, उसके बाद LLB, LLM और डॉक्टरेट की उपाधि भी राजस्थान विश्वविद्यालय से ली है।

प्र.3 हाल ही में 20 फरवरी को Social Justice Day मनाया गया है मैम क्या आप हमें बतायेंगी कि इस दिन को मनाने का मुख्य कारण क्या था ?

उ.3 यह दिन 20 फरवरी को मनाया जाता है। United Nations General Assembly ने इसे सबसे पहले मनाने की शुरूआत की। उसके बाद से सम्पूर्ण विश्व में हर साल यह दिन मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य गरीबी, शोषण और बेरोजगारी को समाज से खत्म करना है।

प्र. 4 आपके विभाग में Social Justice Day किस तरह से मनाया ?

उ. 4 इस दिन छात्राओं से पोस्टर मेकिंग करवाई गई और नुक्कड़ नाटक तैयार कराए गए।

प्र.5 क्या आपको लगता है कि शिक्षा के इस क्षेत्र में महिलाओं को उनके सभी अधिकार मिल रहे है, उनके साथ पूरी तरह से न्याय हो रहा है।

उ.5 मुझे लगता है कि महिला व पुरुष को लेकर भेदभाव पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है, कही न कही अभी भी इस मुद्दे में काम करने की जरूरत है। लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।

प्र.6 अभी आपने कहा और हम देखते भी है कि आज भी बहुत सी महिलाएँ ऐसे ही जिन्हें अपने मौलिक अधिकारों की भी जानकारी नहीं है तो आप इस संदर्भ में क्या कहना चाहेंगी ?

उ.6 मैं कहना चाहूंगी कि मीडिया को अपनी भूमिका निभानी चाहिए ताकि लोगों को उनके अधिकारों का पता चले। साथ ही साथ शिक्षा से जुड़े हुए लोग भी लोगों को उनके अधिकारों के बारे में बताये जैसे कि हमारे विश्वविद्यालय ने भी कई गाँव को गोद ले रखा है। वहा जाकर हमारे विश्वविद्यालय की छात्राएँ इस सन्देश को फैलाती है, ताकी लोग जागरूक हो।

प्र.7 विश्वविद्यालय की छात्राओं को आप क्या सन्देश देना चाहेंगी ?

उ.7 मैं यही कहना चाहूँगी कि यहाँ जो छात्राएँ सीखती है, उसे अपनी असल ज़िन्दगी में भी लागू करे और एक सशक्त नारी बनने की कौशिश करती रहें और यह भी कहूंगी कि सामाजिक न्याय के प्रति छात्राऐं जागरूक बने और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोग भी अपने विद्यार्थियों को सामाजिक न्याय के बारे में जानकारी देते रहे ताकि वो समाज में हो रहे अन्यायों का डट कर सामना कर सके।

JV'n RAASHI SHARMA
JV'n MEGHNA KANWAR
(B.A.-Journalism)

Title Code : RAJBIL01655
Issue 6, Volume 4
February, 2018

दोस्ती - ज़िन्दगी

याद नही कब से बने थे हम दोस्त , याद नही कब से हुई थी ये दोस्ती
जब भी मुसीबत का साया आया, ऐ दोस्त तेरा ही चेहरा मैंने सामने पाया
तेझे देख मुसीबत ने ऐसा मुँह फेरा की, वापस उसने पलटकर नही देखा
पता नही लोग कहते हे की ज़िन्दगी जीने के लिए साँसों की जरूरत होती है
शायद उन्हे मालूम नही दोस्ती से बड़ी कोई जरूरत नही होती,
जे ज़िन्दगी को ज़िन्दगी बनाता है। जे हमें जीना सीखाता है
समुन्द्र में अगर मेरी नौका डूब भी जाए तो
ऐ दोस्त कभी उदास मत होना क्योंकि तेरी दोस्ती में पहले ही डूब चूके है हम।

ज़िन्दी रहे ना रहे हमारी ऐ दोस्त, तेरी आँखों से जहाँ देख लिया करेंगे हम रोज,
मौत भी जब आएगी करीब हमारे, तो पहले वो लेगी इज़ाजत तुझसे
की ले जाऊँ तेरे दोस्त को या छोड़ दूँ तेरी जिन्दगी, तब तू मुझे गले लगाकर कहेगा यह मालूम हैं मुझे
ऐ ज़िन्दगी गले लगा ले।

दोस्ती का यह रिश्ता अजीब है, जिसके पास है दोस्त वही इस दुनिया में सबसे खास है
हमें मिला है आप जैसा दोस्त यह हमारा नसीब है, आपको पा कर हो गए हम भी बहुत खुशनसीब है
खुश रहे तू हमेशा यही हमारी ख्वाहीश है।

MEGHA SHYAM
(B.A.-Journalism) IV Sem.

World NGO Day

World NGO Day, February 27 was established by a millennial social entrepreneur Marcis Liors Skadmanis, aged just 24. His determination to bring about a better future for everyone and his passion for finding new solutions to global development problems, drove him to establish world NGO Day, - a day, that is now recognized by many large communities, international leaders and organizations all over the world.

As we were celebrating this day we marked the outstanding work done by the sector in protecting and respecting fundamental human rights. Marking this day is important more so as we acknowledge the role that the NGOs are playing in contributing to quality service delivery to our communities and strengthening our democratic governance.

World NGO Day intention to inspire people to become more actively involved with NGO sector and encourage a greater symbiosis between NGOs and both the public and private sector. The universal concept of the world NGO Day is celebrate, commemorate and collaborate the various NGOs around the world, & the people behind them that contribute to society all year around.

The world NGO Day is for everyone, celebrating non-governmental organizations and the important endownment to society of the various people behind each one of them.

The world NGO Day provides an apportunity to honour and remember NGO founders, employees, volunteers, members and supporters. These are vast number of individual who have devoted them selves to the work of NGOs in many forms, from those who offer a few hours of their time to those who have sacrified their lives for a cause they believe in.

NAZIYA AHMAD
(B.A.-Journalism) II Sem.

© सर्वाधिकार सुरक्षित
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. पंकज गर्ग द्वारा लक्ष्मी ऑफसेट, G-1 मधुबन कॉलोनी टोंक फाटक जयपुर-302018 से मुद्रित एवं ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, वेदान्त ज्ञान वैली, ग्राम-झरना, महलां जोबनेर लिंक रोड़ जयपुर - अजमेर एक्सप्रेस वे जयपुर-303122 से प्रकाशित।
घोषणा एवं शर्तें : समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र केवल जयपुर होगा। 'JAYOTI MUHIM (ज्योति मुहिम)' में प्रकाशित लेखों, चित्रों एवं अन्य सामग्री से सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में केवल संबंधित लेखक का ही दायित्व होगा।